भजन

तर्ज–तेरे प्यार की तमन्ना

दीदार की तमन्ना रूह सकून तब ही पाए
धनी कब वतन चलोगे अब यहां रहा न जाए

1– जी भर के इस चमन की रौनक बहार देखी
वीरान सा लगा सब जब तुम नजर न आए

2– नजरों से पी रही थी मैं जामें अर्श वाहेदत
नजरें हटी उधर से तब रूह तड़फड़ाये

3– तूने वजूद पर ही कोई टोना करके रखा
पहचानना भी मुश्किल कोई विरला ही जान पाए

4– नजरें करम से तेरी कुछ बोल बोलती हूं
झूठे वजूद का भी कोई बोल तुमको भाए